एक अंक के प्रश्न

प्र.1 वर्षा जल संग्रहण किसे कहते हैं ?

उ. वर्षा के जल को संग्रहित तथा संरक्षित करना ही वर्षा जल संग्रह कहलाता हैं।

प्र. 2 बहुद्देशीय परियोजना क्या है

उ. वे परियोजनाएँ जिनका निर्मान एक से आधिक उद्देश्यों की पुर्ति के लिए किया जाता है, उन्हें बहुद्देशीय परियोजना कहते हैं।

प्र.3. बाँध किसे कहते हैं

उ. बाध बहते हुए जल को रोकने, दिशा देने या वहार कम करने के लिए खड़ी की गई एक बाँधा है।

प्र.4 जल दुर्लभता क्या है

उ. जल के मत्रा में आने वली जल की कमी को जल दुर्लभता कहते हैं ।

प्र. 5. भारत के चार बहुद्देशीय परियोजना के नाम लिखिए

उ. (त) भाखड़ा नांगल बाँध परियोजना ।

(त्त) हीराकुंड परियोजना ।

(त्त्त) नागार्जुन सागर परियोजना ।

(त्ध) दामोदर नदी घाटी परियोजना ।

प्र.6. जल प्रदूषण के विभिन्न कारण क्या हैं

उ. जल प्रदुषण घरेलू और औद्योगिक कूड़ा-कचड़ा, रसायन, कीटनाशकों और रसायनिक उर्वरकों के कारण होता है ।

प्र.7. जल-संभर विकास किसे कहते हैं

उ. जल-संभर एक भू-आकृति क्षेत्र या ईकाई हे और इसका प्रयोग आसानी से छोटे क्षेत्रों में समन्वित विकास के लिए किया जाता है ।

प्र.8. भूमिगत जल की परिभाषा दीजिए

उ. भूमि की सतह में पाया जाने वाले जल को भूमिगत जल कहते हैं ।

3 अंक के प्रश्न

प्र 1. वर्षा जल संग्रह के कोई छः उद्देश्य बताइए

उ. वर्षा जल संग्रहक के छः उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

-पानी की बढ़ती हुई मांग को पूरा करना

- यह घरेलू कार्यों के लिए प्रयोग किया जाता है, जब जल की कमी होती है

- यह मृदा अपरदन को कम करता है।

-यह भूमिगत जल के प्रदूषण को कम करता है।

-सूखा और दुर्भिक्ष के प्रभाव को कम करना ।

प्र. 2. बहुद्देश्यीय परियोजना के मुख्य उद्देश्य क्या है

उ. बहुद्देश्यीय परियोजनाओं के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

- सिंचाई
- बाढ़ नियंत्रण
- जल विद्युत का उत्पादन
- मृदा संरक्षण
- मत्स्यपालन के विकास के लिए
- पेय जल का प्रावधान
- आंतरिक जल परिवहन का विकास
- नौ संचालन के लिए
- कृषि का आधुनिकीकरण
- पर्यटन के विकास के लिए

प्र. प्राचीन भारत के कुछ जल-कृतियों बारे में लिखिए

उ. प्राचीन काल में सिंचाई के लिए पत्थरों और मलबों से बाँध, जलाशय, अथवा सीलों के तटबंध और नजरों

जैसी जलीय कृतियाँ बनाई गईथी। जैसे गंगा नदी के बाढ़ के जल को संरक्षित करने के लिए एक जल संग्रहण तंत्र बनाया गया था।चन्द्रगुप्त मौर्य के काल में भी बांध और झील तथा अन्य सिंचाई तंत्रों का भी निर्माण कीया था । भोपाल झील भी इसी का एक उदाहरण है, जो कि एक कृत्रिम झील है ।

प्र. 4. बाँध के द्वारा कौन- कौन सी समस्याएँ उत्पन्न होति है

उ. बाँध ने बहुत-सी समस्याएँ पैदा की है।

- भू-स्वामी, बड़े किसान, उद्योगपति और नगरीय केंन्द्र प्रभावित होते हैं ।
- मृदा का लवनीकरण बाढ़ता है
- बाँधों के कारण भूमि जल प्लावन से वन क्षेत्र जलमग्न हो जाते हैं और वनों रहने वाले जीवों के अस्तित्व को भी खातरा उत्पन्न हो जाता है ।
- कई बांधो के टुटने के कारण अपार जन-धन की हानि होति है ।
- बांधो से कृषि प्रतिरूप, निर्वाह कृषि से गहन वाणिज्यिक कृषि में बदलने के कारण परिस्थितिक असंतुलन उत्पन्न हो जाता है ।

प्र. 5. वर्तमान समय में भारत में भूमिगत जल की क्या परिस्थिति है

उ. वर्तमान समय में भारत में भूमिगत जल की परिस्थितियाँ हैं-

- कूओं और नहरो के निर्माण करके उसके जल का प्रयोग सिंचाई कार्यो के लिए किया जा रहा है ।

- भूमिगत जल की अतिप्रयोग से इसका स्तर नीचे चला गया है ।
- भूमिगत जल संसाधनों का अत्यधिक दुरूपयोग किया जा रहा है ।
-भूमिगत जल संसाधन घरेलू कूड़ा-कचड़ा के कारण प्रदूषित हो रहै हैं ।
- औद्योगिक कूड़ा-कचड़ा के कारण भी भूमिगत जल दूषित हो रहा है ।

4 अंक के प्रश्न

प्र.1. जल संसाधनों के संरक्षण की क्यों आवश्यकता है ? जल संरक्षण के कुछ उपाय बताइए ?

उ. जल संसाधन सीमित है लेकिन हमारी आवश्यकताएँ दिन-पर-दिन बढ़ती जा रही है । जल संसाधनों का असमान वितरण । शहरों और नगरों में पाये जाने वाले अधिकतर जल संसाधन प्रदूषित है, जो की पीने के लिए अनुपयुक्त है। जल संरक्षण के कुछ उपाय निम्नलिखित हैं -

-जल संग्रहण के स्त्रोतों का विकास करके .।
-वर्षा के जल को तालाबों, टैंकों आदि में संरक्षित किया जाना चाहिए ।
-विभिन्न प्रकार के जल संरक्षण तकनीक जैसे वर्षा-जल संग्रहण, जल-संभार आदि अपनाना

प्र.2. किस प्रकार के वर्षा जल राजस्थान के अर्थ-शुष्क और शुष्क क्षेत्रों में किया जाता है ?

उ. राजस्थन के अर्थ शुष्क और शुष्क क्षेत्रों विशेषकर बीकानेर फलोदी और बाड़मेर लगभग हर घर में पीने का पानी संग्रहित करने के लिए भूमिगत टैंक अथवा टाँका हुआ करते थे । इसका आकार एक बड़े कमरे जितना होता है । टाँका यहाँ सुविकसित छत वर्षा जल संग्रहण तंत्र का अभिन्न हिस्सा होता है, जिसे मुख्य घर आ आँगन में बानाया जाता था । वे घरों की ढलवाँ छतों से पाइपों द्वारा जड़े हुए थे । छत में वर्षा का पानी का नालों से होकर भूमिगत टाँका तक पहुँचाता था, जहाँ इसे एकत्रित किया जाता था। वर्षा का पहला जल छह और नालों को साफ करने में प्रयोग होता था और उसे संग्रहित किया जाता था । इसके बाद होने वाली वर्षा का जल संग्रह किया जाता था ।टाँका में वर्षा का जल अगली वर्षा ऋतु तक संग्रहित किया जा सकता था । यह इसे जल की कमी वाली गीष्म ऋतु तक पीने का जल उपलब्ध करवाने वाला जल स्त्रोत बनाता है ।

प्र.3. बाँस ड्रिप सिंचाइ प्रणाली की व्याख्या कीजिए ?

उ. मेघालय में नदियों के जल को बाँस द्वारा बने पाइप द्वारा एकत्रित करके
200 वर्ष पुरानी विधि प्रचलित है । लगभग 18-20 लीटर सिंचाई पानी बाँस पाइप में आ जाता है तथा उसे सैकड़ों मीटर की दुरी तक ले जया जाता है । पहाली

शिखरों पर सदानीरा झरनों की दिशा परिवर्तित करने के लिए बाँस के पइपों का उपयोग किया जाता है । इन पइपों के माध्यम से गुरूत्वाकर्षण द्वारा जल पहाड़ के निचले स्थानों तक पहुँचाया जाता है । बाँस के निर्मित चैनल से पौधे की स्थान तक जल का बहाव परिवर्तित किया जाता हे । पौधे तक बाँस पाइप बनाइ व बिछाई गई विभिन्न जल शाखाओं में जल वितरित किया जाता है । पाइपों में जल प्रवाह इनकी स्थिति में परिवर्तन करके नियंत्रित किया जाता है ।यदि पाइपों को सड़क पार ले जाना हो, भूमि पर ऊँचाई से ले जाया जाता है । संकुचित किए हुए चैनल सेक्शन और पृथांतरण इकाई जल सिंचाई के अंतिम चरण में प्रयुक्त की जाती है । अंतिम चैनल सेक्शन से पौधे की जड़ों के निकट जल गिराया जाता है ।

प्र. 4. जल दुर्लभता के क्या क्या कारण हैं

उ. जल दुर्लभता के कारण निम्नलिखित है-

- सिंचाई के लिए जल का अत्यधिक प्रयोग
- अत्यधिक औद्योगिक विकास से भी जल की कमी का एक कारण है ।
- बढ़ती हुई जनसंख्या ।
- घरेलू और औद्योगिक कूड़े-कचड़ों से होने वाला जल प्रदूषण ।
- खेती में उपयोग होने वाले रसायनिक ऊर्वरकों, कीटनाकशकों से होने वाला प्रदूषण ।

कृषि

एक अंक के प्रश्न

1.कृषि से आप क्या समझते है ?

उ. ‘कृषि‘शब्द का अंग्रेजी पर्याय शब्द ‘एग्रीकल्चर‘ हैं, जिसका निर्माण दो अंग्रेजी शब्दों से हुआ है - 'एग्रोस 'तथा 'कल्चर' एग्रोस अर्थात भूमि और 'कल्चर' अर्थात खेत जोतना । अत : कृषि का अर्थ होता है भूमि की जुताई करना ।

2. झूम खेती किसे कहते हैं?

उ. स्थानांतरित कृषि को भारत के विभिन्न भागो में विभिन्न नामों से जाना जाता है। उत्तर - पूर्वी भारत में इसे झूम खेती के नाम से जाना जाता है।

3. स्थानांतरित कृषि किसे कहते हैं?

उ. स्थानांतरित कृषि एक ऐसी कृषि हैं, जिसकै लिए भूमि की आवश्यकता जंगलों को काट कर या नष्ट करके पूरी की जाती है तथा तब तक कृषि की जाती है, जब तक भूमि की उर्वरता समाप्त नहीं हो जाती।

4, खरीफ फसलें किसे कहते हैं?

उ. खरीफ फसलें वे कृषि फसले है जिन्हे मानसून के प्रारंभ मे उगाया जाता है तथा सितंबर - अक्टूबर के महीनो मैं काट लिया जाता है।

5. कुछ रबी फसलों के नाम बताइए ।

उ. गेहूँ, जौ, मटर, सरसों,तिलहन आदि ।

6. जायद ऋतु किसे कहते है ?

उ. रबी और खरीफ फसल ऋतुओं के मध्य ग्रीष्म ऋतु में बोई जाने वाली फसल को जायद कहा जाता है।

7. सार्वजनिक वितरण प्रणाली किसे कहते है

उ. सार्वजनिक वितरण प्रणाली एक ऐसा कार्यक्रम है, जो ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों मे खाघ पदार्थ तथा अन्यआवश्यक सामान उचित मूलयों मे उपलब्ध करवाता है।

8. खाद सुरक्षा किसे कहते है ?

उ. सभी लोगों के स्वस्थ जीवन के लिए हर समय उनके लिए आवश्यक खाद पदार्थो का उपलब्ध करवाता है।

3. अंक के प्रशन

1. प्रारंभिक जीविका निर्वाह कृषि तीन विशेषताएँ बताइए।

उ. प्रारंभिक जीविका निर्वाह कृषि तीन विशेषताएँ हैं-

क. यह कृषि भूमि के टुकडों पर आदिम कृषि औजारों से की जाती है।

ख. इस प्रकार की भूमि प्राय : मानसूम मृदा की प्राकृतिक उर्वरता पर निभर है।

ग. यह कर्त्तन दहन प्रणाली कृषि है मृदा की उर्वता कम हो जाती है तो किसान उस भूमि का दूसरा टुकड़ा साफ करते है।

प्र.2 गेहूँ की खेती लिए उपयुक्त परिस्थितियाँ बताइए।

उ. गेहूँ भारत की दूसरी सबसे महत्वपूर्ण खाघान्न फसल है। भारत की कुल कृषि क्षेत्र का 10ऽ भाग गेहूँ की खेती से भरा हुआ है।

भौगोलिक परिस्थितियाँ : गेहुँ के उगने के समय 10 डिग्री सेल्सियस से 15 डिग्री सेल्सियस तापमान तथा पकने और काटने के समय 20 डिग्री सेल्सियस से 26 डिग्री सेल्सियस तापमान की आवश्यकता होती है। 100 पाला रहित दिन और वर्षा 50- 70 सेंटीमीटर की आवश्यकता होती है । दोमट तथा जलोढ़ मिट्टी गेहूँ खेती के लिए उपयुक्त मानी जाती है।

प्र3. गहन जीविका कृषि की तिन विशेषताएँ बताइए।

क. इस प्रकार कि कृषि उन क्षेत्रों में की जाती है, जहां भूमि पर जनसंख्या दवाब

अधिक होता है।

ख. यह श्रम गहन खेती है।

ग. इस प्रकार की कृषि मे अधिक उत्पादन के लिए अघिक मात्रा मैं जैव -रासायनिक निवेशों और सिंचाई का प्रयोग किया जाता है।

प्र4. भारतीय कृषि पर वैश्वीकरण के क्या प्रभाव है?

उ.वैश्वीकरण से भारत खाधान्नो की उपज बढ़ी है,लेकिन 1900 के बाद वैशवीकरण के तहत भारतीय किसानो को नई चुनौतियो का सामना करना पड़ रहा है। चावल,चाय, मसालों,कपास आदि के मुख्य उत्पादक होने के बावजूद भी भारतीय कृषि विश्व के विकसित देशों के साथ तुलना करने मे समर्थन हैं क्योंकि उन देशों में कृषि को अत्यधिक सहायिकी दी जाती है। आज भारतीय कृषि दोराहे पर है।

प्र5 भारत में गन्ने की खेती किन क्षेत्रों मे की जाती है?भारत विश्व का दूसरा गन्ना उत्पादक देश है भारत में यह मुख्य रूप से पंजाब,महाराष्ट्र,उत्तर प्रदेश, कर्नाटक,तमिलनाडु आदि में उगाए जाते है।

भौगोलिक आवश्यकताएँ :- गन्ना एक उष्ण और उपोषण कटिबंधीय फसल है। यह फसल 21डिग्री सेल्सियस से 27 डिग्री सेल्सियस तापमान और 75 सेंटीमीटर से 100 सेंटीमीटर से वार्षिक वर्षा वाली उष्ण और आर्द्र जलवायु में बोई जाती है। कटाई के समय पाला रहित और शुष्क दिनों की आवयश्यकता होती है। इसे अनेक मिट्टियों में उगाया जाता है।

4.अंक के प्रशन

प्र1. खाध-सुरक्षा के समक्ष क्या चुनौतियां है

क. खाघान्नों के सथान पर फलों और सब्जियों,तिलहनों और औघोगिक कच्चे मालों का उत्पादन।

ख. गैर कृषि कार्यो में भूमि का अधिक प्रयोग जैसे मकान बनाना आदि।

ग. शुद्व बोया गया क्षेत्र में कमी।

ध. अत्यधिक रसायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि का निम्नीकरण।

ड. जल दुर्लभता आदि।

प्र2. भारत में हरित क्रांति को बढ़ाने वाले विभिन्न प्रौघोगीकरण और संस्थापक सुधारों का वर्णन कीजिए।

उ. हरित क्रांति और श्वेत क्रांति को बढ़ाने वाले विभिन्न प्रौघोगीकरण और संस्थापक सुधार इस प्रकार है- पानी के पम्पों,टैक्टर आदि का प्रयोग तथा अधिक ऊपज देने वाली बीजों, रसायनिक उर्वरकों कीटनाशकों के प्रयोगसे उत्पान में वृद्धि सहकिरता तथा जमींदारी आदि को समाप्त कर दिया । फसल बीमा की सुविधा किसानो को सरकार द्वारा दिया जा रहा है,जो उनको प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकशान से सुरक्षित रखेगा तथा बैंको से कम ब्याज दर पर ऋण भी दी जा रही है, इसके अलावा आकशवाणी और दूरदर्शन पर किसानों के लिए मौसम की जानकारी के बुलेटिन और कृषि कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हे। न्यूतम सहायता मूल्य और कुछ फसलों के लाभदायक खरीद मूल्यों की सरकार घोषणा करती है।

प्र3. कृषि की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में क्या योगदान है?

उ. भारत एक कृषि प्रधान देश है। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी हैं सकल घरेलू उत्पाद में कृषि के योगदान का अनुपात 1951 से लगातार घटने के उपरांत भी यह 2001 में देश- देश की लगभग 63ऽजनसंख्या के लिए रोजगार और अजीविका का साधन थी । भागीदार 25ऽ कम हो गई। कृषि का सकल घरेलू उत्पाद में घटता अंश गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि कृषि में किसी भी प्रकार की गिरावट और गतिरोध अर्थव्यवस्था अन्य क्षेत्रों में गिरावट लाएंगे, जो समाज के लिए व्यापक हानिकारक है।

प्र.4 हरित क्रंति के मुख्य विशेषताएँ क्या है?

उ. हरित क्रांति के मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखितः है-

क. अधिक ऊपज देने वाले बीजों का प्रयोग

ख. सिंचाई के साधनों का विकास

ग. रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग

घ.कीटनाशकों, पीटनाशकों का अधिक प्रयोग

ड. आघुनिक कृषि औजारों का प्रयोग

प्र5. बागवानी फसलों के वितरण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उ. भारत विशव में सबसे अधिक फलों और सब्जियों का उत्पादक है। महाराष्ट्र,आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल के आम , नागपुर और चेरापुंजी के संतरे, केरल और मिजोरम के केले, उत्तर प्रदेश और बिहार लिची, मेघालय के अन्नारस,आंध्र प्रदेश और

महाराष्ट्र के अंगूर और हिमाचल प्रदेश और जम्मू व कशमीर के सेब, नाशपाती, और अखरोट विश्वभर में प्रसिद्व है।भारत विश्व का लगभग 13ऽ सब्जियों का उत्पादन करता है। भारत का मटर्, फूलगोभी, प्याज टमाटर, आलू,बैंगन,बंदगोभी आदि उत्पादन में प्रमुख है।

रबी	खरीफ
1) रबी की पसलें सीत ऋतु में अक्टुबर से दिसम्बर के बींच में लगाई जाती हैं। उनकी काटाई एप्रेल से जुन की बीच । 2) रबी के फसले -गेहू,मोटर,चाना आदि हैं। 3) रबी उतपादन राज्य हैं - पंजाब, हरियाना, हिमाचल आदि।	1) खरीफ की फसले मोनसून आने के साथ साथ लागाई जाती है-सितम्बर से अक्तोबर तक। 2) खरीफ की पसले है- धान, मक्का, ज्वार,बजरा,तुर आदि। 3) खरीफ फसले के उतपादक पुर्व राज्य हैं- आसाम,प. बंगाल,अन्ध्र प्रदेश और केरल ।

1निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1 वर्षा - जल को कहा जा सकता है-

2 संरक्षित जल 3. पेय जल 4. भूमिगत जल

2.निम्नलिखित मे से किस प्रदेश के छतों में वर्षा - जल संरक्षण को अनिवार्य बनाया गया है ?

1.बिहार 2. असम 3. तामिल नाडू 4.महाराष्ट्र

3. तुंगभद्र बांध किस नदी पर सिथत है?

क. कावेरी ख. कृष्णा ग.महानदी ध. तुंगभद्रा

4.नार्गाजून बांध किस नदी पर स्थित है ?

क. गोदावरी ख.र्नमदा ग. कृष्णा ध. पेरियर

6.भारत द्वीतीय वृहद उत्पादक है।

क. चावल ख. कॉफी ग. गन्ना ध. मूगफली

7. जलाकर खेती करना कहलाता है ।

क.मिल्पा ख. पोडू ग. झूम

8.अक्टूबर से दिसम्बर में होने वाली खेती कहलाती है ?

क. रबि ख. खरिफ ग. जैड ध. अनन

8.सबसे अधिक जवार का उत्पादन होता है।

क. अन्ध्र प्रदेश ख. हिमाचल ग. उड़ीसा ध. महाराष्ट्र

9. सुनहरा रेशा है -

क. कपाश ख. जूट ग. कोयर

10. रेशमकीट पालन के रेशम आवश्यक है -

क. मछली पालन ख. वन-पालन ग. रेशम - पालन ध. कृषि

उ. 1(क), 2(ग), 3(ग), 4(ग),5(ग), 6(ध), 7(क), 8(घ), 9(ख), 10(ग)

मानचित्र प्रश्नों की सूची

वांध -:1.सालस 2.भाकरा नंगल 3.हीराकुंड 4. नार्गाजून सागर 5. तुंगभद्र।